

[Afghanistan Digital Library](#)

adl0611

<http://hdl.handle.net/2333.1/2333.1/4tmpg5m6>



This is a PDF version of an item in New York University's Afghanistan Digital Library (<http://afghanistandl.nyu.edu/>). For more information about this item, copy and paste the "handle" URL above into a web browser.

When referring to or citing this item please use the "handle" URL and not this document or the URL from which you downloaded it.

All works presented on New York University's Afghanistan Digital Library website are, unless otherwise indicated, in the public domain. The images available on this website may be freely reproduced, distributed and transmitted by anyone for any purpose, commercial or non-commercial.

NYU Libraries, Digital Library Technical Services, dlts@nyu.edu

وَأَوْفَيْتُ الرِّجَالَ نِسْوَةً لِّمَا كَانُوا عَلَىٰ فِئَةٍ وَآخَرَةٍ

حسب الامر جناب جلالت نایب زیر صاحب معارف و ام اقباله
بر کافاده طلبی در کرس ابتدائیه دولت علیه افغانستان

۱۳۳۹ هـ

اول کتاب افغانی

سنه ۱۳۳۹ هـ

مؤلفه قاضی محمد محمد جانشاوری معلم افغانی و اردو

کابل

گوردینا

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

از هائی مختلفه ترکیبهای مضاف و مضاف الیه

سبق (۱)

خدائی - رسول - نمونج - روژه - جمعه - رمضان

حج - کعبه - نوم - جهان -

دخدائی نوم - دجهان خدائی - دخدائی رسول -

دجمعی نمونج - د رمضان روژه - دکعبی حج -

سبق (۲)

چاقو - چاره - تخته - قلم - کاغذ - سیاهی -

کتاب - مشهوری

دخدائی کتاب

ستاقلم - حُماختَه - ستا سوسياهي - دَکتاب
کاغذ - دَ محمد اکبر مشوانري -

سبق (۳)

صبا - نماينام - ورخ - شپه - مياشت - کال -

ورخ - لاره - جنت - دوزخ - عذاب - ثواب -

پيدائش - (پيداوښت) - وفات -

دَ صبا نمونخ - دَ نماينام وقت - دَ وفات کال - دَ

پيدائش ورخ - دَ دوزخ عذاب - دَ جنت لاره - دَ حج ثواب

سبق (۴)

هغه - هغوي - ستا - ستا - حُما - حُمونږ -

۴

دھغه پيدا و بنت - دھغوي وفات - ستا مونغ

ستا سوچ - حمار و ژه - حمو نيز رسول شما خپل

حمو نيز خپلوان - سبق (۵)

خوي - پلار - مور - لور - و درور - خور - اگا -

بنځه - خښتن -

حمار خوي - حمو نيز پلار - ستا لور - ستا سو مور -

دھغه و درور - دھغوي خور - دھغوي اگا -

دھغه بنځه - سبق (۶)

غم - اور بشي - چ و ډي - اوره - هکښي -

کباب - غو - غوا - آس -

د غنمود و د پي - د اور لېشو اوږه - د چرکي هکي -

د بزي غوښنه - د غوا شيدی - د اوسني کباب

د اکبر آس - د عیسی خر - خماسپی - ستا پيشی -

سبق (۵)

ويښته - سر - سترگی - غوږ - پوزه - ژبه - خوله

غابنونه - مخ - لاس - پښه - زړه - شونډه - نوکونه

د سرو ويښته - د اوسني سترگی - د غوا ژبه -

د خر غوږ - ستا سو پوزه - د سپي غابنونه -

خپل لاس - خپله خوله - د پيشي نوکونه -

د هلک پښه - خم مخ - ستا زړه - د عمر شونډه

سبق (۶)

(قبله)
خاوری - او به - باد - اور - نمرخاته - نمرلویده
قطب - سهیل - رود - غر - زمکه - فرش - کور -
دکابل خاوری - درود او به - ددوزخ اور -
دقطب باد - د نمرخاته سوداگر - د قبلی زمکه -
د سهیل رود - دهند و کث غر - دکور فرش -
از صفت اسما مختلفه ترکیبها صفت موصوف -

سبق (۹)

پاک - پلیت - زور - نوی - بنه - بد - تنگ - هرت
پاک بدن - پلیتی او به - نوی جامه - بنه بنجه -
بدکار - زره خولثی - تنگ زره - هرت لار -

سبق (۱۰)

٤
١٠
١١
١٢
١٣
١٤
١٥
١٦
١٧
١٨
١٩
٢٠
٢١
٢٢
٢٣
٢٤
٢٥
٢٦
٢٧
٢٨
٢٩
٣٠
٣١
٣٢
٣٣
٣٤
٣٥
٣٦
٣٧
٣٨
٣٩
٤٠
٤١
٤٢
٤٣
٤٤
٤٥
٤٦
٤٧
٤٨
٤٩
٥٠
٥١
٥٢
٥٣
٥٤
٥٥
٥٦
٥٧
٥٨
٥٩
٦٠
٦١
٦٢
٦٣
٦٤
٦٥
٦٦
٦٧
٦٨
٦٩
٧٠
٧١
٧٢
٧٣
٧٤
٧٥
٧٦
٧٧
٧٨
٧٩
٨٠
٨١
٨٢
٨٣
٨٤
٨٥
٨٦
٨٧
٨٨
٨٩
٩٠
٩١
٩٢
٩٣
٩٤
٩٥
٩٦
٩٧
٩٨
٩٩
١٠٠
١٠١
١٠٢
١٠٣
١٠٤
١٠٥
١٠٦
١٠٧
١٠٨
١٠٩
١١٠
١١١
١١٢
١١٣
١١٤
١١٥
١١٦
١١٧
١١٨
١١٩
١٢٠
١٢١
١٢٢
١٢٣
١٢٤
١٢٥
١٢٦
١٢٧
١٢٨
١٢٩
١٣٠
١٣١
١٣٢
١٣٣
١٣٤
١٣٥
١٣٦
١٣٧
١٣٨
١٣٩
١٤٠
١٤١
١٤٢
١٤٣
١٤٤
١٤٥
١٤٦
١٤٧
١٤٨
١٤٩
١٥٠
١٥١
١٥٢
١٥٣
١٥٤
١٥٥
١٥٦
١٥٧
١٥٨
١٥٩
١٦٠
١٦١
١٦٢
١٦٣
١٦٤
١٦٥
١٦٦
١٦٧
١٦٨
١٦٩
١٧٠
١٧١
١٧٢
١٧٣
١٧٤
١٧٥
١٧٦
١٧٧
١٧٨
١٧٩
١٨٠
١٨١
١٨٢
١٨٣
١٨٤
١٨٥
١٨٦
١٨٧
١٨٨
١٨٩
١٩٠
١٩١
١٩٢
١٩٣
١٩٤
١٩٥
١٩٦
١٩٧
١٩٨
١٩٩
٢٠٠
٢٠١
٢٠٢
٢٠٣
٢٠٤
٢٠٥
٢٠٦
٢٠٧
٢٠٨
٢٠٩
٢١٠
٢١١
٢١٢
٢١٣
٢١٤
٢١٥
٢١٦
٢١٧
٢١٨
٢١٩
٢٢٠
٢٢١
٢٢٢
٢٢٣
٢٢٤
٢٢٥
٢٢٦
٢٢٧
٢٢٨
٢٢٩
٢٣٠
٢٣١
٢٣٢
٢٣٣
٢٣٤
٢٣٥
٢٣٦
٢٣٧
٢٣٨
٢٣٩
٢٤٠
٢٤١
٢٤٢
٢٤٣
٢٤٤
٢٤٥
٢٤٦
٢٤٧
٢٤٨
٢٤٩
٢٥٠
٢٥١
٢٥٢
٢٥٣
٢٥٤
٢٥٥
٢٥٦
٢٥٧
٢٥٨
٢٥٩
٢٦٠
٢٦١
٢٦٢
٢٦٣
٢٦٤
٢٦٥
٢٦٦
٢٦٧
٢٦٨
٢٦٩
٢٧٠
٢٧١
٢٧٢
٢٧٣
٢٧٤
٢٧٥
٢٧٦
٢٧٧
٢٧٨
٢٧٩
٢٨٠
٢٨١
٢٨٢
٢٨٣
٢٨٤
٢٨٥
٢٨٦
٢٨٧
٢٨٨
٢٨٩
٢٩٠
٢٩١
٢٩٢
٢٩٣
٢٩٤
٢٩٥
٢٩٦
٢٩٧
٢٩٨
٢٩٩
٣٠٠
٣٠١
٣٠٢
٣٠٣
٣٠٤
٣٠٥
٣٠٦
٣٠٧
٣٠٨
٣٠٩
٣١٠
٣١١
٣١٢
٣١٣
٣١٤
٣١٥
٣١٦
٣١٧
٣١٨
٣١٩
٣٢٠
٣٢١
٣٢٢
٣٢٣
٣٢٤
٣٢٥
٣٢٦
٣٢٧
٣٢٨
٣٢٩
٣٣٠
٣٣١
٣٣٢
٣٣٣
٣٣٤
٣٣٥
٣٣٦
٣٣٧
٣٣٨
٣٣٩
٣٤٠
٣٤١
٣٤٢
٣٤٣
٣٤٤
٣٤٥
٣٤٦
٣٤٧
٣٤٨
٣٤٩
٣٥٠
٣٥١
٣٥٢
٣٥٣
٣٥٤
٣٥٥
٣٥٦
٣٥٧
٣٥٨
٣٥٩
٣٦٠
٣٦١
٣٦٢
٣٦٣
٣٦٤
٣٦٥
٣٦٦
٣٦٧
٣٦٨
٣٦٩
٣٧٠
٣٧١
٣٧٢
٣٧٣
٣٧٤
٣٧٥
٣٧٦
٣٧٧
٣٧٨
٣٧٩
٣٨٠
٣٨١
٣٨٢
٣٨٣
٣٨٤
٣٨٥
٣٨٦
٣٨٧
٣٨٨
٣٨٩
٣٩٠
٣٩١
٣٩٢
٣٩٣
٣٩٤
٣٩٥
٣٩٦
٣٩٧
٣٩٨
٣٩٩
٤٠٠
٤٠١
٤٠٢
٤٠٣
٤٠٤
٤٠٥
٤٠٦
٤٠٧
٤٠٨
٤٠٩
٤١٠
٤١١
٤١٢
٤١٣
٤١٤
٤١٥
٤١٦
٤١٧
٤١٨
٤١٩
٤٢٠
٤٢١
٤٢٢
٤٢٣
٤٢٤
٤٢٥
٤٢٦
٤٢٧
٤٢٨
٤٢٩
٤٣٠
٤٣١
٤٣٢
٤٣٣
٤٣٤
٤٣٥
٤٣٦
٤٣٧
٤٣٨
٤٣٩
٤٤٠
٤٤١
٤٤٢
٤٤٣
٤٤٤
٤٤٥
٤٤٦
٤٤٧
٤٤٨
٤٤٩
٤٥٠
٤٥١
٤٥٢
٤٥٣
٤٥٤
٤٥٥
٤٥٦
٤٥٧
٤٥٨
٤٥٩
٤٦٠
٤٦١
٤٦٢
٤٦٣
٤٦٤
٤٦٥
٤٦٦
٤٦٧
٤٦٨
٤٦٩
٤٧٠
٤٧١
٤٧٢
٤٧٣
٤٧٤
٤٧٥
٤٧٦
٤٧٧
٤٧٨
٤٧٩
٤٨٠
٤٨١
٤٨٢
٤٨٣
٤٨٤
٤٨٥
٤٨٦
٤٨٧
٤٨٨
٤٨٩
٤٩٠
٤٩١
٤٩٢
٤٩٣
٤٩٤
٤٩٥
٤٩٦
٤٩٧
٤٩٨
٤٩٩
٥٠٠
٥٠١
٥٠٢
٥٠٣
٥٠٤
٥٠٥
٥٠٦
٥٠٧
٥٠٨
٥٠٩
٥١٠
٥١١
٥١٢
٥١٣
٥١٤
٥١٥
٥١٦
٥١٧
٥١٨
٥١٩
٥٢٠
٥٢١
٥٢٢
٥٢٣
٥٢٤
٥٢٥
٥٢٦
٥٢٧
٥٢٨
٥٢٩
٥٣٠
٥٣١
٥٣٢
٥٣٣
٥٣٤
٥٣٥
٥٣٦
٥٣٧
٥٣٨
٥٣٩
٥٤٠
٥٤١
٥٤٢
٥٤٣
٥٤٤
٥٤٥
٥٤٦
٥٤٧
٥٤٨
٥٤٩
٥٥٠
٥٥١
٥٥٢
٥٥٣
٥٥٤
٥٥٥
٥٥٦
٥٥٧
٥٥٨
٥٥٩
٥٦٠
٥٦١
٥٦٢
٥٦٣
٥٦٤
٥٦٥
٥٦٦
٥٦٧
٥٦٨
٥٦٩
٥٧٠
٥٧١
٥٧٢
٥٧٣
٥٧٤
٥٧٥
٥٧٦
٥٧٧
٥٧٨
٥٧٩
٥٨٠
٥٨١
٥٨٢
٥٨٣
٥٨٤
٥٨٥
٥٨٦
٥٨٧
٥٨٨
٥٨٩
٥٩٠
٥٩١
٥٩٢
٥٩٣
٥٩٤
٥٩٥
٥٩٦
٥٩٧
٥٩٨
٥٩٩
٦٠٠
٦٠١
٦٠٢
٦٠٣
٦٠٤
٦٠٥
٦٠٦
٦٠٧
٦٠٨
٦٠٩
٦١٠
٦١١
٦١٢
٦١٣
٦١٤
٦١٥
٦١٦
٦١٧
٦١٨
٦١٩
٦٢٠
٦٢١
٦٢٢
٦٢٣
٦٢٤
٦٢٥
٦٢٦
٦٢٧
٦٢٨
٦٢٩
٦٣٠
٦٣١
٦٣٢
٦٣٣
٦٣٤
٦٣٥
٦٣٦
٦٣٧
٦٣٨
٦٣٩
٦٤٠
٦٤١
٦٤٢
٦٤٣
٦٤٤
٦٤٥
٦٤٦
٦٤٧
٦٤٨
٦٤٩
٦٥٠
٦٥١
٦٥٢
٦٥٣
٦٥٤
٦٥٥
٦٥٦
٦٥٧
٦٥٨
٦٥٩
٦٦٠
٦٦١
٦٦٢
٦٦٣
٦٦٤
٦٦٥
٦٦٦
٦٦٧
٦٦٨
٦٦٩
٦٧٠
٦٧١
٦٧٢
٦٧٣
٦٧٤
٦٧٥
٦٧٦
٦٧٧
٦٧٨
٦٧٩
٦٨٠
٦٨١
٦٨٢
٦٨٣
٦٨٤
٦٨٥
٦٨٦
٦٨٧
٦٨٨
٦٨٩
٦٩٠
٦٩١
٦٩٢
٦٩٣
٦٩٤
٦٩٥
٦٩٦
٦٩٧
٦٩٨
٦٩٩
٧٠٠
٧٠١
٧٠٢
٧٠٣
٧٠٤
٧٠٥
٧٠٦
٧٠٧
٧٠٨
٧٠٩
٧١٠
٧١١
٧١٢
٧١٣
٧١٤
٧١٥
٧١٦
٧١٧
٧١٨
٧١٩
٧٢٠
٧٢١
٧٢٢
٧٢٣
٧٢٤
٧٢٥
٧٢٦
٧٢٧
٧٢٨
٧٢٩
٧٣٠
٧٣١
٧٣٢
٧٣٣
٧٣٤
٧٣٥
٧٣٦
٧٣٧
٧٣٨
٧٣٩
٧٤٠
٧٤١
٧٤٢
٧٤٣
٧٤٤
٧٤٥
٧٤٦
٧٤٧
٧٤٨
٧٤٩
٧٥٠
٧٥١
٧٥٢
٧٥٣
٧٥٤
٧٥٥
٧٥٦
٧٥٧
٧٥٨
٧٥٩
٧٦٠
٧٦١
٧٦٢
٧٦٣
٧٦٤
٧٦٥
٧٦٦
٧٦٧
٧٦٨
٧٦٩
٧٧٠
٧٧١
٧٧٢
٧٧٣
٧٧٤
٧٧٥
٧٧٦
٧٧٧
٧٧٨
٧٧٩
٧٨٠
٧٨١
٧٨٢
٧٨٣
٧٨٤
٧٨٥
٧٨٦
٧٨٧
٧٨٨
٧٨٩
٧٩٠
٧٩١
٧٩٢
٧٩٣
٧٩٤
٧٩٥
٧٩٦
٧٩٧
٧٩٨
٧٩٩
٨٠٠
٨٠١
٨٠٢
٨٠٣
٨٠٤
٨٠٥
٨٠٦
٨٠٧
٨٠٨
٨٠٩
٨١٠
٨١١
٨١٢
٨١٣
٨١٤
٨١٥
٨١٦
٨١٧
٨١٨
٨١٩
٨٢٠
٨٢١
٨٢٢
٨٢٣
٨٢٤
٨٢٥
٨٢٦
٨٢٧
٨٢٨
٨٢٩
٨٣٠
٨٣١
٨٣٢
٨٣٣
٨٣٤
٨٣٥
٨٣٦
٨٣٧
٨٣٨
٨٣٩
٨٤٠
٨٤١
٨٤٢
٨٤٣
٨٤٤
٨٤٥
٨٤٦
٨٤٧
٨٤٨
٨٤٩
٨٥٠
٨٥١
٨٥٢
٨٥٣
٨٥٤
٨٥٥
٨٥٦
٨٥٧
٨٥٨
٨٥٩
٨٦٠
٨٦١
٨٦٢
٨٦٣
٨٦٤
٨٦٥
٨٦٦
٨٦٧
٨٦٨
٨٦٩
٨٧٠
٨٧١
٨٧٢
٨٧٣
٨٧٤
٨٧٥
٨٧٦
٨٧٧
٨٧٨
٨٧٩
٨٨٠
٨٨١
٨٨٢
٨٨٣
٨٨٤
٨٨٥
٨٨٦
٨٨٧
٨٨٨
٨٨٩
٨٩٠
٨٩١
٨٩٢
٨٩٣
٨٩٤
٨٩٥
٨٩٦
٨٩٧
٨٩٨
٨٩٩
٩٠٠
٩٠١
٩٠٢
٩٠٣
٩٠٤
٩٠٥
٩٠٦
٩٠٧
٩٠٨
٩٠٩
٩١٠
٩١١
٩١٢
٩١٣
٩١٤
٩١٥
٩١٦
٩١٧
٩١٨
٩١٩
٩٢٠
٩٢١
٩٢٢
٩٢٣
٩٢٤
٩٢٥
٩٢٦
٩٢٧
٩٢٨
٩٢٩
٩٣٠
٩٣١
٩٣٢
٩٣٣
٩٣٤
٩٣٥
٩٣٦
٩٣٧
٩٣٨
٩٣٩
٩٤٠
٩٤١
٩٤٢
٩٤٣
٩٤٤
٩٤٥
٩٤٦
٩٤٧
٩٤٨
٩٤٩
٩٥٠
٩٥١
٩٥٢
٩٥٣
٩٥٤
٩٥٥
٩٥٦
٩٥٧
٩٥٨
٩٥٩
٩٦٠
٩٦١
٩٦٢
٩٦٣
٩٦٤
٩٦٥
٩٦٦
٩٦٧
٩٦٨
٩٦٩
٩٧٠
٩٧١
٩٧٢
٩٧٣
٩٧٤
٩٧٥
٩٧٦
٩٧٧
٩٧٨
٩٧٩
٩٨٠
٩٨١
٩٨٢
٩٨٣
٩٨٤
٩٨٥
٩٨٦
٩٨٧
٩٨٨
٩٨٩
٩٩٠
٩٩١
٩٩٢
٩٩٣
٩٩٤
٩٩٥
٩٩٦
٩٩٧
٩٩٨
٩٩٩
١٠٠٠

(میز)

بھی - تودہ - وُح - لونڈ - حُوان - زہرہ - گرنندی -
تور - سپین - سور - زیر -
یعنی اوبہ - تودہ دو دہی - حوان سری - زہرہ
بنجہ - گرنندی آس - توری سترگی - سپین
کالی - سوونگ - وُح لورگی - زیرخ -
سمارہ اشارہ - سبق (۱۱)

ہفہ حائی - دغہ کور - ہفہ گرنندی آس -
دغہ خماورور - ددغہ ہلک کتاب - دہفہ
حوان بنجہ - دہفہ سری چارہ - ددغہ
روداوبہ - دہفہ زورسری لور - ددغہ ہلک
چاقو - واحد جمع سبق (۱۲)

سَری - سَری - سَری - سَری - سَری - سَری - سَری - سَری - سَری - سَری -
 کالی - کالی - کالی - کالی - کالی - کالی - کالی - کالی - کالی - کالی -
 لور - لور - لور - لور - لور - لور - لور - لور - لور - لور -
 مری - مری - مری - مری - مری - مری - مری - مری - مری - مری -
 داسری دَکوم هائی دی - داسری دَکابل دی -
 دایوه بنیمه ده - هغه دیوه بنیمه دی - دهغه
 یوحوئی دی - دده خلور هامن دی - دایو
 کالی دی - دهغه دیر کالی دی - دده شه
 کار دی - دده کارونه دیر دی - دده یولاس
 دی - دهغه دوازه لاسونه نشته - ددی ^{سری} _{سری}
 یوه لورده - دهغه دری لوئی دی - دهغه

۴ یوه سترکه رندا دده - دده دواړه سترگی خوزیږي
 دده یوآس دی - دهغه خلو را سونه ډي - دده
 یو مړي دی - دهغه خان پنځه مړ یونه ډي -
 دده یوه سکه مورده - دهغه یوه سکه او
 دوه ناسکه (میری) میندی ډي - دده یوه
 خورده - دهغه شپږ خویندی ډي -

خبرائی ترکیبی سبقت (۱۳)

حوی م حوان دی - ستا سو ورونه خوش
 اولیس دی - ته بڼه سړی یی - تا سو کوانان
 یی - زه یو ډایم - مونږ غمجن یو - چا قوتیره
 دی - زهونه خوشحال ډي - بدن م پاک دی

زه د دغه خوان پلاريم - ته د هغه بوداسي پي
 خوئي بي ه قرآن د خدای کلام دی - مونږ د
 خدای بندگان يو -

مصدرک مو فقرات - سبق (۱۴)

ويل - لوستل - ورکول - لرل - گتل - خوړل -
 کول - شرپل -

اسلام د ادی - کلمه ويل - نمونځ کول - زکوة
 ورکول - د رَمضان روژي ساتل - د بيت
 الله حج کول - ما هلكان شرپل - هغه شفتالان

خوړل يا ضی مطلق مو فقرات - سبق (۱۵)
 هغه و و - هغو و و - تا و و - تاسو و و -

ماؤو۔ مونز وُو۔ وہ ٹی لوست۔ ورتی کر
وہ ٹی کر۔ درلودئی۔

محمود قرآن لوست۔ ورورد زکوٰۃ ورتی کر؟

هغه کار وکر۔ حویم روزه درلودله۔ احد

اودس وکر۔ خلقونمونه وکر۔ تاکار وکر؟

هوماکار وکر۔ تاسوسلام وکر۔ هومونز

سلام وکر۔ تاقرآن شریف ولوست؟ هوما

قرآن شریف ولوست۔ تاسونمونه وکر۔

هومونمونه وکر۔

چند حروف موفقات سبق (۱۶)

سره۔ ته۔ په۔ ور۔ له۔ تر۔ لوه۔ شه۔

ولی - هو - هرکله - چا -
 له ماسره - هغوی ته - په کورکین - په سر باند
 هغه لره - له صبا - تر نما بنام - ستاخه نوم دج
 حمانوم عبد الرحمن - حما و ورخه و و - ستا
 و و رکله و و یله - اکبر خپل کتاب چاله و رکړه
 کریم له ئی و رکړه - خلقو زکوة و رکړه - هو خلقو
 زکوة و رکړه - حما و ورله د خه و رکړل - ستا
 و و ورله م روپي و رکړی - تا سو حما مشوانه
 هغه ته ولی و رکړه - هغه پر کاغذ لیکي -
 هرکله راشه - خوارمه شی -
 باضی قریب مو فقرات سبق (۱۶)

لوستلی دے - لوستلی دے - لوستلی دے - لوستلی دے - لوستلی دے
بی بی - لوستلی نیم - لوستلی یو -
ورورد قرآن لوستلی دے؛ نه ناجورد دے
ستا سولونروخه لوستلی دے؛ د خدائی کتاب
تاداکتاب لوستلی دے - هوماداکتاب لوستلی دے
تامنوخ کری دے؛ هومامنوخ کری دے - خدائی
د قبول کری - ورورد خا کلاه کریم له ورکردی؟
خا منور ورته نیولی ده - ماد سحر منوخ کری
دے - تاسو خا ورورته خه ویلی دے؛ زه په
جماعت کبن ناستیم - تا خا کتاب لید لی خدی؟
ماستا کتاب نه دے لید لی -

ماضی بعید مو فقرات سبق (۱۸)

هغه راکړی وه - هغوراکړی وه - تاراکړی وه -

تاسوراکړی وه - مادرکړی وه - مونږدرکړی وه

احد مالرو یخې او به راکړی وی - مونږو خپل

آس هغوئې ته ورکړی وه - دوئې ستاسو

چا قوماته راکړی وه - تاماته څه شی راکړی

وه - ما تاله دهغه کتاب درکړی وه - تاسو

نوی خو لئې کریم ته ورکړی وه - ما اول تاسو ته

ویلې وو - هغوئې پخوا ماته ویلې وو - تاسو

قرآن لوستلی وه - دوئې د صبا نمونج کړی وه -

موږ د رمضان دمیا شتی روژې نیولی وی

ماضی بستماری مو فقرات - سبق (۱۹)

هغه و - هغو و - تا و - تاسو و - ما و - مونږ و -
خو یم و عطا کاوه - بنځو ورته شابسي و - تاسو
خا و رورته څه و ؟ موږ ورته هڅ نه و - کريم
مدرسي ته تلو - عبد الله د خدای کلام
لو ستلو - استاد ورته وچه ولی مدرسې ته
په وقت و نه رسیدی ؟

بنځي تاسو کړه راتللی - او کښینا ستلی - هرکله
چه زه هلته ورسید لم - نو پرده ئی و کړله -
تا هلته څه کول ؟ ما د دیوال پناه لیتوله -

ماضی شکیه مو فقرات - سبق (۲۰)

هغه به کړی وي - تابه کړی وي - تاسو به
 کړي وي - مایه کړی وي - مونږ به کړي وي -
 هغه به ستا سوکار کړی وي - هغوي به څه
 کړي وي؟ زه به هلته تللی يم - مونږ به دا
 کتاب لیدلی وي - تابه جماعت کښن منوخ
 کړی وي - تاسو به څه لیدلي وي؟
 ترخوچه سړي خبره نه وی ویلي عیب او هنډ
 پټ وي -

ماښی تمنای مو فقرات - سبق (۲۱)
 هغه تللی وی - هغوي تللی وی - زه تللی وی
 مونږ تللی وی -

که محمود هلته تللی وی نو بیوته به نه وه گرزیدالی -
 که زه په کور کین وی نو تاله به م خپل کتاب
 در کړی وی - که دی خلقو د خدا می کلام
 لوستلی نو گمراه شوی به نه وو - که چیری
 تاسو لیکل کولی نو خوش نویس شوی به وی -
 که موزمدرسی ته تللی نوله تاسو به مخکنی
 وی - که شما خبره د آوردی وی - نو
 بینه کتاب به دله لاس ورکړی نه وه -
 فعل استقبال مع فقرات - سبق (۲۲)
 هغه به لارشی - هغوی به لارشی - ته به
 لارشی - تاسو به لارشی - زه به لارشم -

مونڙ به لار شو۔

ته به چيري ڇي؟ نه به جماعت ته ڄم۔ دا
 خالق به چيري ڇي؟ دوي به مدرسي ته ڇي۔
 هلته به ڇه کوي؟ خپل ڄامن به کوري۔
 تاسي به چيري کيني؟ جماعت به ور
 کس به کينو۔ احمد به مدرسي ته ڇي؟
 ما آوريد لي دي چه نن به لار نه شي۔

مصادر مختلفه فقرات۔ سبق (۲۳)

وائي۔ لولي۔ ورکري۔ کري۔ لري۔ رائي۔
 پکاري۔ راوري۔ آخلي۔ آروي۔ ليکي
 گوري۔ پوهيري۔ کيني۔ پاتي کيري۔

ستا سوخته به قلم چیرنی وی - حاور ورخته و کبری
ستا ورورد فبر لار شیی - روپی دی و اخلی اود
غنوا وره در او ری - خط دی بیکی - خپل
سبق دی یاد وی - کریم له تا سوخته کبینه که
خپل کتاب و کوری به که محمود باغ ته ورسید
نو تازه میوه به بیاموی - هر چاله پکار دی
چه نوتخ دکوی - او پس له نمانحه نه و عطر دی
آروی - دافقره شه معنی لری؟ که کریم
پوهیدری نووه دی واتی - که محمود راشی نو
پراس دی سور شیی - سوری له پکار دی چه
دهدای له یاد و عاقل یا تو ته شیی -

فعل حال بو فقرات - سبق (۲۴)

هغه کوي - هغوي کوي - ته کوي - تاسو کوي

زه کوم - موږ کوو -

احسان مشق کوي - هغوي نونج کوي - ته څه

کوي؟ زه کار کوم - تاسو سلام کوي؟ مونږ

مشق کوو - هغه کور ته نه ځي - هغوي جماعت ته

ځي - ته بنهر ته ځي؟ ته ربه (زه اسلاميه

مدرسي ته ځم - تاسو چيري ځي؟ زه د

قرآن شريف ترجمه لوستلو له ځم -

ستا څوئي د وږي ولي نه خوري؟ رنځور

دي ځکه نه خوري - ته څه ليکي؟ زه خپل

سبق ليکم - تا سو خپل کتاب آخلي؟ هوزه
 خپل کتاب آخلم - زه د اکتاب د پښتو آخلم
 څه عيب خونه لري - بديکه واخله هيڅ عيب نه لري
 امر حاضر مختلف مصادر مع فقرات - سبق (۲۵)
 دوايه - ولوله - ورکړه - وکړه - راشه -
 لارښه - واروه - وليکه - ووينځه - وگوره -
 کښينه - راوړه - واخله - پوه شه - ماشخه راشه -
 کتاب راوړه - څه چه د لوستي دي بياني ولوله -
 يخي اوبه راکړه - ماشخه راشه لاسونه د ووينځه -
 د مشرانو نصيحت واروه -
 خپل سبق وليکه - اودس وکړه - هر وقت

خیل خدای په یاد لره - جزدان دی واخله
 مکتب ته لار شه - هر کله چه و استاد په
 بخکن ورشی سلام و کوه - په خپل معانی
 په آرام کښینه - ادب زده کړه ستا کوه
 نهی حاضر رضا در مختلفه فقرات من سبوق (۲۹)
 مه لوله - مه ورکوه - مه وایه - مه کوه
 مه نکه - مه لره - مه اوسه - مه بیا
 خطا مه لوله - زره تنگ مه لره - هغه چه
 نه پوهیدی مه وایه - په نوح کولکین غفالت
 مه کوه - د کتاب له لاس مه ورکوه - و بدانو
 په بهاس بن مه کښینه - خپل کتاب مه خرابوه

د پښتو ژبه ډیره آسانه او خوږه ده - شرم

مه کوه - شه چه دله غنه کیري په پښتو کښ

خبري کوه - هم دغه سي زده شي -

فقره نای اسم فاعل - سبق (۲۷)

مارغه - پید اکونگی - لیکونگی - لوستونگی -

سوال گر - (غوښتونگی)

خدای تمونو پید اکونگی دی - لیکونگی پوهیږي

چه په خط کښ شه دي - نن م یو ډیر ښه مارغه

ولید - قرآن خوان د خدای مقبول دی -

سوال گر له دره مه جو ووه -

فقرات اسم مفعول - سبق (۲۸)

پیدا شوی - لیکنی - آوریدی - لیدی - خفه -
 کری - مصرع د لیدی په شان کله آوریدوی
 موند و خدای پیدایش یو - حاکم و کوره -
 زړه خفه مه ساته - مصرع
 د خپل کری علاج نشته دی هونیا ره -
 په اسلام کین او ه خیزه سنت دی - یو هلک
 سفتول - بل د شونډ و وینسته آخستل -
 دریم د پوزی وینسته شو کول - خلورم نو کونه
 پوریکول - پنجم سرخریل - شپږم د تخرک وینسته
 خريل - اوهمه نامه د لاند وینسته لری کول -

سپین (۲۴)

نام های هفتگانه در اصطلاح قندبار
 شنبی - یکشنبه - دوشنبی - سه شنبی -

چارشنبه - پنجشنبه - جمعه

اسمای هفتگانه در اصطلاح عام افغانان

خالی - اتبار - ککل (یا پیر) ^{کهنه} د شروع و رُخ (یا چار ^{شنبه})

د زیارت و رُخ (یا پنجشنبه) جمعه -

د خالی په و رُخ د یهود یا نوچتی و یی - د اتبار

په و رُخ د نصاری و رخصت و یی - د ککل (پیر)

په و رُخ رسول د خدای پیداشومی وه -

او هم په دغه و رُخ ئی وفات موندلی وه -

د لوی په و رُخ لوی فاطمی له دنیا څخه سفر

کوی وه - د زیارت په و رُخ رسول د خدای

۴ له مکی معظمی نه په بیت د شجرت راوتلی وو -

د جمعی وړخ د مسلمانانو اختر دی - او هر به

دغه وړخ جمعی شوخ ادا کوي -

انتخاب از حدیث لفظان

سبق (۳۰)

۲ اسی د پلار زړه کیه خدا می و پیر نه - که چاته

نصیحت کولو نواول ورباندې خپله عمل وکړه -

په اندازه خبره کوه - د خلقو قدر کوه - د هر جا

حق پیر نه - خپل راز پټ ساته - په سختی

۳ کښ یار وها آزمایه - په سود و زیان کښ

د دوست احتمال وکړه - له ناپوه خلقو تښته

دوست هو بنیاری لوتوه پیه سینه کار کین روشنی
 گوه - خیره پیه د نیل سکره وایه - د دوستانو
 عزت گوه - دوست او دشمن سره تنگ کنی
 رو نراوه - مور پلار غنیمت کنه - او سنا
 له پلار بختو شماره - خرخ پیه اندازه د جامه ل گوه

سبق (۳۱) د خیره پیه

په هر کار کین میانه روا ونسه - خو انم دردی
 خیل کسب گوه - د خپله خدمت چه دله بڅه
 کیر پیه سینه گوه - د خپلو سترگواو د ژبو حیا
 گوه - جامه او بدن پاک ساته - د خپلی سره
 نوخ گوه - که د توان وې او سورې او تیراندازی

زده کوه - دهرچا کار دهنه په اندزه کوه
 چه د شپی خبری کوی نو په قرار او ورو ورو
 کوه - او چه دورخی کوی نو خوا و شا گوره
 دگم خورپو او دگم ویلو او گم او ده کید لو
 عادت ونیه - خه چه په خان نه خوینوی
 په فورو هم مه خوینوه - کارونه په عقل
 او په تدبیر کوه - چه د خه زده نه وی نو
 استاد ی مه کوه - دچا په خیر زره مه تیره -
 له دبد اصلو سترگه (طمع) دوقامه لره -

سبق (۳۲)

په هینج کار کین بی فکری مه کوه - ناگری کار

کبری مه شماره - دَن کار صیاته مه پریرده
دمش سره بی ادبی مه کوه - دمشرانوسره
دیبری خیری مه کوه - سوال کومه نا امید کوه -
تیر جنگ مه یادوه - خیل مال دوست او
دبمن ته مه بنکاره کوه - له خیلوانو خیلوی
مه پریرکوه - دنیکانوغیبت مه کوه - خان ته
مه کوره - دخلقوپه بختن په پوزه او په خوله
کبن کوتی مه وهه - دچا دوراندی په غابنوی
کبن خاشه مه وهه - توکی دخولی په زوره
مه غور زوه - او پوزه په زوره مه سونرکوه -
خوشی خبری مه کوه - دخلقو دوراندی

شوک مه شهر سووه - سترگی مه و هسه

بلی خیره بیامه وایه -

سپتی (۳۳)

چه په کومه خیره ختدا راجی خان ترساته -

خیل صفت د چاد ویراند مه کوه - خپل جان

د بنخو په شان مه سازوه - چه خبری

گوی نولاس مه بنوروه - (یامه خوروه -)

میری په بدومه یادوه - حکه چه خیرنه لری

چه خو توانیدی نو جنگ او د بنمینی مه

سازوه - خپله د وچوئی د بیل په دسترخوان

مه خوره - په میخ کاکس جلتی مه کوه -

د د نیا د پاره خان په تکلیف کین مه آچوه -
د قهر په وقت خبره به پوه کووه - پوزه
لستو نړی سره مه پاکوه -

سبق (۳۴)

په نمر خاتو خوب مه کووه - په لارچه می
له مشرانو وړاند مه زه - د خلقو په
خبر وکین مه راز - خوا و شامه کوره -
د میل په دوراند چاته قهر مه کووه - میله
ته د کار مه وایه - لیونی سره خبری مه
کووه - د اوزگار و خلقو سره په لار کین مه
کیندینه - په هر سود زیان باند عزت

مه وُرگوده - کبرچین مه اوسه - له جنگ
 (کینه)
 اوله فتی نه په دِ دِه اوسه - په عاجری
 اوسه - ژوند ون تیره وه د خدایتعالی
 سره په صداقت - او د نفس سره په قهر
 او د خلقو سره په انصاف - او د مشرانو
 سره په خدمت - او د گچینو سره په مینه
 او د درویشانو سره په سخاوت - او د دوستانو
 سره په محبت - او د دشمنانو سره په نرمی
 او د عالمانو سره په تواضع - او د جاهلانو
 سره په نصیحت -

قصه

سبق (۳۵)

له سکند ر په وقت د مرگ چاپو بښته وکړه

چه په دالیز وندون د خرنگ جهان واغست

(بلاندي کر) هغه خراب وکر چه په دوه خبرو

یود اچه د بنمستان م ناچاره کول چه د دوستان

زوی - بله و اچه دوستان م نه پرینول -

چه د بنمستان شي -

دوه خیزه هیرو ل نه دي پکار - یو خدایي -

او بل مرگ -

قصه

۳۴

سبق (۳۶)

یونعل چا فقیر کره غلامه لار۔ هر قدر
 چه تا لاش ئی و کر۔ خه ئی بیارونه موندہ۔
 فقیر وینس وه۔ سرئی پورته کر۔ ورته ئی و و۔
 چه زه په رتراورخ دِلته خه ند موسم
 ته په توره شپه کن بد دِلته خه بیاموی

قصه

سبق (۳۷)

چا ووجه فلا نکی د شپی شراب خنبلی
 و و۔ او بیخوده پروتا وه۔ یونیک
 سرئی داوا وریده۔ وه ئی وچه که په

خود دای - نو شراب به ئی نه وو تمبلی -

قصه

سبق (۳۸)

جالینوس حکیم ته م وو - چه کومه غذا
اصلاح د بدن کوی ؟ هغه وو چه لوریه -
او بیائی وو چه خوراک د پاره د ژوندون
دای - نه ژوند د پاره د خوراک -

شونصیحونه

سبق (۳۹)

فوخ په اندازه د حاصل کوه -
(۲) د نکته چینوپه خبر و اعتبار کول نه دی

پیکار -

(۳) شویچ: تو انبار می له د بنمن شخنه (سوره)
عدا از کوه -

(۴) په صلح رضا مند شه - چه په آخر

د کار بی له خدا می همیشه ک پر کله پوهیوی

(۵) په کثرت د مال او د یارانو هیت

اعتبار پکار نه دی -

تت بالخير والغافیه

اطاعت باو شاه اسپه
 بهوجب حکم قرآن شریف

الله پاک دے په قرآن کینی فرمایلی
 اطیع الله واطیعوا رسولہ دے مالیدی
 ورسولہ دے اولی الا فر منکم جائه
 دغه حکم له قرآن دے عیاسه
 معنی د اچه د الله رسول احکام
 تل منی مسلمانو صبح و شام
 بیا چه ستاوی باد شاه بلند قبیل
 وی له تاسونه نیکنوی فرخنده قال

اطاعتی په حُبان قرض کنوئی پارانو
نا فرمان به باغی شی هو بنیارانو
د باغی حکم د قتل وایه کیږی
په کتیبو کین واهی معلومیږی
اوس د خپل بادشاه غازی لیک صفت
خدای د تل دده د حُبان کوی حفاظت
معارف پرورځیونې اعلی حضرت دی
شام ملام په غمخور کئی د خپل ملت دی
چه د قوم د لیبو دی د پاره وروړه
شب وروز کوی کوشش هسی وگوره
مدرسی نئ کوی جاری په هر مقام

په خپل خرڅ سره دی شاه عالی مقام
چه م قوم شي له هر علم نه فیضیاب
جهالت له ملک و رک شي - شي په آب
چه بادشاه دا قول پار و اخستو په خان
د خرڅنو د تعلیم له هره شان -
باید داچه فائده واخلې په داسان
چه هم تاسی شي خوشحال هم شاه زمان
دغه وگنړي رحمت د خدای یا رانو
ذلت د شاه دی غنیمت ای هو بنیادانو
که دا وقت موله لاس ورکړنو ارمان دی
دا ارمان د هر یو کس کوره په خان دی

سیر النبیاء والاخذة و مسکوره
ده خواری ددین دنیا ای سما و روره
مهاجر کمال جهن جور کرد اکتساب
چه ملت و واره شی ترنه فیضیاب

بستخط بنده قاضی گل احمد مهاجر معلم افغانی مدرسہ مبارکہ جمیلہ۔